

उत्तराखण्ड में हीट वेव का येलो अलर्ट जारी

चर्चा में क्यों?

2 जून, 2022 को देहरादून का अधिकतम तापमान 41.1 डग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे देखते हुए मौसम वभाग ने गढ़वाल मंडल के घाटी वाले क्षेत्रों में हीट वेव को लेकर येलो अलर्ट जारी कर दिया है।

प्रमुख बंदि

- देहरादून का तापमान 41.1 डग्री सेल्सियस पहुँचने से पछिले दस वर्षों का रिकॉर्ड टूट गया, क्योंकि जून 2012 के अधिकतम 42.2 डग्री सेल्सियस तापमान के बाद यह पहला अवसर है, जब तापमान 41 डग्री तक पहुँच गया है।
- दून का अभी तक का अधिकतम तापमान का रिकॉर्ड 43.9 डग्री सेल्सियस है, जो 4 जून, 1902 को दर्ज किया गया था।
- गौरतलब है कि ग्रीष्म लहर असामान्य रूप से उच्च तापमान की वह स्थिति है, जिसमें तापमान सामान्य से अधिक रहता है और यह मुख्यतः देश के उत्तर-पश्चिमी भागों को प्रभावित करती है।
- भारत में ग्रीष्म लहर सामान्यतः मार्च-जून के बीच चलती है, परंतु कभी-कभी जुलाई तक भी चला करती है।
- भारतीय मौसम विज्ञान वभाग ने मैदानी क्षेत्रों में 40 डग्री सेल्सियस और पहाड़ी क्षेत्रों में 30 डग्री सेल्सियस तापमान को ग्रीष्म लहर के मानक के रूप में निर्धारित किया है। जहाँ सामान्य तापमान 40 डग्री सेल्सियस से कम रहता है, वहाँ 5 से 6 डग्री सेल्सियस तापमान बढ़ने पर सामान्य तथा 7 डग्री सेल्सियस से अधिक तापमान बढ़ने पर गंभीर ग्रीष्म लहर की घटनाएँ होती हैं।